बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १८ जून, २००६)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण - २** **कुल प्राप्तांक : १००**

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण -प्रथम आवृत्ति, अप्रैल - २००३

प्रश्न.१. निम्न विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (८ गुण)

१. ''मंदिर कहीं दूसरी ज़गह बनाईए ।'' २२
२. ''उन कच्छी परमहंसों का प्रेम से गाया हुआ कीर्तन हमें इस कमरे और खटिया सहित खींचता है ।' ९६
३. ''एकांत मे भी स्त्री का योग होने पर भी भ्रष्ट नहीं हुए ।'' ८१
४. ''हम ब्रह्मचर्य व्रत का पालन कर रहे हैं ।'' ५४

प्रश्न.२. निम्न वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (९ गुण)

१. हम सौ जन्मों द्वारा नहीं, इसी जन्म में उत्तम भक्त बन सकते हैं । ४७
२. जेतलपुर की गणिका को श्रीजीमहाराज ने प्रसन्न होकर आशीर्वाद दिए । ३२
३. उका खाचर देर से आने पर भी महाराज प्रसन्न हो गए । ११
४. टरोरो में अनेक जीव अंधकार के गर्त से निकलकर अभूतपूर्व सत्संगी हुए । १०३

प्रश्न.३. निम्न विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (८ गुण)

१. मानसी पूजा । ४५

अथवा

२. नैष्ठिक ब्रह्मचारी के विशेष धर्म । ६
३. बंधिया के डोसाभाई । ८९

अथवा

४. रामबाई । ७७

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (७ गुण)

१. एकान्तिक धर्म किसे कहते हैं ? ६१
२. कृपानंद स्वामी को श्रीजीमहाराज के प्रति कैसा स्नेह था ? ५७
३. गणिका को मेहनताने के बदले मे महाराज ने क्या देने को कहा ? ३२
४. राजाभाई ने क्या समेटना शुरू कर दिया ? ६४
५. अष्टांगयोग में ध्यान के पश्चात् कौन-सी अवस्था प्राप्त होती है ? ४२
६. श्रीजीमहाराज की मुख्य आज्ञा कौन-सी है ? ७२
७. सोमला खाचर ने श्रीजीमहाराज को क्या क्या समर्पित किया ? २९

प्रश्न.५. भक्त पर यदि दु:खों के बादल..... (८६) - **'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा (५ गुण)**
वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - २२ (५८) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (५ गुण)

विषय : स्वयंप्रकाशानंद स्वामी ६५

१. एक पंख न हो तो पक्षी उड़ नहीं सकता ? **२.** जो पृथ्वी की प्रदक्षिणा करके पहले आयेगा वह कन्या से विवाह करेगा । **३.** प्रश्न पूछते ही वहाँ अचानक दिव्य प्रकाश फैलने लगता है । **४.** अनेक लोगों को अपने दर्शनमात्र से समाधि करवाते है । **५.** ये गाय है । वह पृथ्वी का स्वरूप कहलाती है । **६.** गणपति ने गाय की प्रदक्षिणा की और कन्या से विवाह किया । **७.** भगवान के धाम में भेजते हैं और खुद का भजन करवाते हैं । **८.** हमने तो किसी ऐसे पंथ के बारे में नहीं सूना । **९.** कन्या एक और शादी करनेवाले दो । **१०.** सोरठ देश में कोई जीवनमुक्ता प्रकट हुए हैं ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.७. निम्न पंक्ति को पूर्ण कीजिए। (८ गुण)

१. व्हाला मुने वस किधी ..... जेवी चाल छे रे लोल । ६८
२. शिर पर ..... मन लोभे । १७

(पृष्ठ पलटिये)

३. के'दि देशो मा संसारी सुख ..... अहंकारी स्वभाव । ८२

४. सत्संगी जे तमारा ..... अमने न नड़े । ८१

प्रश्न.८. निम्न कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (६ गुण)

१. **जनमंगलस्तोत्रम् :-** ॐ जीताहाराय नमः ... ... ॐ अतिधैर्यवते नमः ।। ४९

२. श्वासेन ..... शरणं प्रपद्ये ।। २६

३. गालिदानं ताडनं ..... हितं च तैः॥ श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ९९

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम आवृत्ति, नवम्बर २००२

प्रश्न.९. निम्न विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (८ गुण)

१. ''सच्चा व्यवहार तो गुणातीतानंद स्वामी ने ही किया ।'' ५४

२. ''इन साधु को पहचानते हैं ? ये तो हमारा अक्षरधाम है ।'' २९

३. ''उसमें वृद्धि होगी और आप जैसे संत के प्रति दुर्भाव होगा ।'' ६२

४. ''सगुण चरित्र नाना विधि, सुनी मुनि मन भ्रम होय ।'' ४४

प्रश्न.१०. निम्न वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए ।(नौ पंक्ति में) (९ गुण)

१. रघुवीरजी महाराज की सभी ग्रंथियाँ पीघल गई । ७६

२. जसा भगत को दुःख आया । ६६

३. सभी संतों ने स्वामी से कहा, हमारी गलती माफ़ करना । ८३

४. श्रीजीमहाराज ने गुणातीतानंद स्वामी को केवल दूध पीने की संमति दी । २६

प्रश्न.११. निम्न में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (८ गुण)

१. सूक्ष्म तप । ३३

२. वृत्ति का निरोध । २२

३. हमारे अक्षरधाम की भेंट । ४५

प्रश्न.१२. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (७ गुण)

१. उगा खुमाण का द्वेष कैसा था ? ३१

२. मूलजी के घर महाराज किन किन भक्तों के साथ भोजन करने पधारे थे ? १०

३. मूलजी किस लिए काशी पढ़ने नहीं गए ? ५

४. शुकजी ने किसे और किसमें प्रवेश करके जवाब दिया था ? ३६

५. समाधि में तुलसी दवे ने महाराज से सातवा प्रश्न कौन-सा पूछा ? ७८

६. जूनागढ़ में मंदिर बनाने के लिए ज़मीन किसने दी ? ४३

७. कमरे में बंद वस्ता कहा आया ? ७२

प्रश्न.१३. निम्न में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।(बारह पंक्तियों में) (४ गुण)

१. रंक से राय । ६७

२. मुंजा सुरू सत्संगी बन गया । ५७

३. नील बंदर । २२

प्रश्न.१४. निम्न विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें । (८ गुण)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. स्वामी का आदर्श जीवन । ७१

(१) ☐ चौका पानी करते थे । (२) ☐ संत के आसन पर सबको प्रणाम करने जाते थे ।

(३) ☐ बीमार संतों की देखभाल स्वयं करते थे । (४) ☐ हरेक को कथा के बाद ही सेवा करने के लिए कहते थे ।

२. महामुक्त से अधिक सामर्थी अक्षरब्रह्म की । ५२

(१) ☐ यह तो जोगी का ही काम है । (२) ☐ मैंने आपको मना की थी, फिर भी घास लेने क्यों गए ?

(३) ☐ मेरे वचन तो जोगी ही बदल सकते हैं । (४) ☐ करवो आ मंदिर मां निवास रे ।

३. स्वामी धाम में पधारे । ८६

(१) ☐ आषाढ शुक्ला तेरश ।
(२) ☐ अश्विन कृष्णा तेरश ।
(३) ☐ सं. १९२३
(४) ☐ सं. १९३२

४. गुणातीतानंद स्वामी को जूनागढ़ मंदिर के महंत बनाकर उनकी मदद में रहने के लिए श्रीजीमहाराज ने किस किस को सिफारिश की ? ४५

(१) ☐ गोपालानंद स्वामी ।
(२) ☐ पवित्रानंद स्वामी ।
(३) ☐ परमानंद स्वामी ।
(४) ☐ वासुदेवानंद ब्रह्मचारी ।

नोंध : (१) उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १६ जुलाई, २००६ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।

(२) ''सत्संग प्रवीण - २'' की परीक्षा में ''सत्संग परिचय'' परीक्षा के पुस्तकों में से जो टूंकनोंधे पूछी जाती थी वह सन २००६ और उसके बाद नहीं पूछी जाएगी । उसके बदले ''सत्संग प्रवीण - २'' परीक्षा के पुस्तकों में से ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १८ जून, २००६. परीक्षा - सत्संग प्रवीण - २. माध्यम - हिन्दी. समय - दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

६०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।